श्रमण १९९७ ०७ (फोल्डर नं. ०२५०३१)

सम्पादक - डॉ. अशोक कुमार सिंह,

डॉ. शिवप्रसाद, डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

स्याद्वाद की अवधारणा-विकास एवं उद्भव – डॉ. सीताराम दुबे ---------- १

ब्राह्मणगच्छ का इतिहास – डॉ. शिवप्रसाद ---------- १४

पंचेन्द्रिय संवाद-एक आध्यात्मिक रूपक काव्य – संपा. डॉ. मुन्नी जैन ---------- ५१

प्रद्युम्नचरित में प्रयुक्त छन्द-एक अध्ययन – कु. भारती ---------- ६८

जैनों में साध्वी प्रतिमा की प्रतिष्ठा पूजा व वन्दन – महेन्द्र कुमार जैन ---------- ८३

Nirgrantha Doctrine of Karma-A Historical Perspective – Dr. A. K. Singh ---------- 89

Gunavrata and Upasakadashanga – Dr. Rajjan Kumar ---------- 104

जैन जगत्

पुस्तक समीक्षा ---------- १०९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org